1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म**- 1884 ई०
- **जन्म स्थान**- बस्ती जिले के अगोना ग्राम में।
- **पिता** - चन्द्रबली शुक्ल
- **शिक्षा**- एफ. ए. (इण्टरमीडिएट)
- **आजीविका**- अध्यापन, लेखन
- **भाषा**- शुद्ध साहित्यिक, सरल एवं व्यावहारिक भाषा
- **शैली**- वर्णनात्मक, विवेचात्मक, व्याख्यात्मक, आलोचनात्मक, भावात्मक तथा हास्य-व्यंगात्मक।
- **मृत्यु**- 1941 ई०
- **कृतियाँ**- चिन्तामणि, रसमीमांसा, त्रिवेणी, हिन्दी साहित्य का इतिहास, तुलसी ग्रन्थावली, जायसी ग्रन्थावली, हिन्दी-शब्द सागर, नागरी प्रचारिण पत्रिका, आनन्द कादम्बिनी, भ्रमरगीत सार।

जीवन-परिचय- प्रसिद्ध आलोचक, निबंधकार एवं साहित्यकार इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी का जन्म सन् 1884 ई० में बस्ती जिले के अगोना नामक ग्राम में हुआ था। पिता का नाम चंद्रबली शुक्ल था। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी ने हाई स्कूल की परीक्षा मिशन स्कूल मिर्जापुर से उत्तीर्ण की तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा अंतिम वर्ष में ही छूट गई थी।

शुक्ल जी ने मिर्जापुर के न्यायालय में नौकरी कर ली किन्तु किसी कारण से छोड़ दी। बाद में मिर्जापुर के मिशन स्कूल में चित्रकला के अध्यापक हो गए। स्वाध्याय से इन्होंने हिंदी अंग्रेजी सस्कृत बंगला आदि भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। पत्र-पत्रिकाओं में लिखना आरंभ कर दिया। बाद में इनकी नियुक्ति काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिंदी के प्राध्यापक पद पर हो गई। बाबू श्यामसुंदर दास के पश्चात आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी हिन्दी विभाग के अध्यक्ष बने। इसी पर पर कार्य करते हुए सन 1941 ई० में हिंदी साहित्य का यह आलोचक पंचतत्व में लीन हो गया।

कृतित्व- आचार्य रामचंद्र शुक्ल मूर्धन्य आलोचक, श्रेष्ठ निबंधकार, निष्पक्ष इतिहासकार महान शैलीकार एवं युग प्रवर्तन आचार्य थे। इन्होने अनेक आलोचनाएँ लिखी इनकी विद्वता के कारण ही 'हिन्दी शब्द सागर' के संपादन कार्य में सहयोग के लिए इन्हें बुलाया गया। आलोचना इनका मुख्य एवं प्रिय विषय था। हिन्दी साहित्य का इतिहास लिख कर इतिहास लेखन की परम्परा का सूत्रपात किया।

- **निबंध संग्रह**- चिंतामणि भाग 1 और 2, विचारवीथी
- **इतिहास ग्रंथ**- हिंदी साहित्य का इतिहास
- **आलोचना ग्रंथ**- सूरदास, रस मीमांसा, त्रिवेणी संपादन कार्य जायसी, ग्रन्थावली, तुलसी ग्रंथावली, भ्रमरगीत सार, हिन्दी शब्द सागर, काशी नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी।
- **कहानी**- ग्यारह वर्ष का समय
- **काव्य कृति**- अभिमन्यु वध
- **अन्यकृतियाँ**- मेगास्थनीज का भारतवर्षीय विवरण, आदर्श जीवन, कल्याण का आनंद, विश्व प्रबंध, बुद्धचरित (काव्य) आदि प्रमुख हैं।